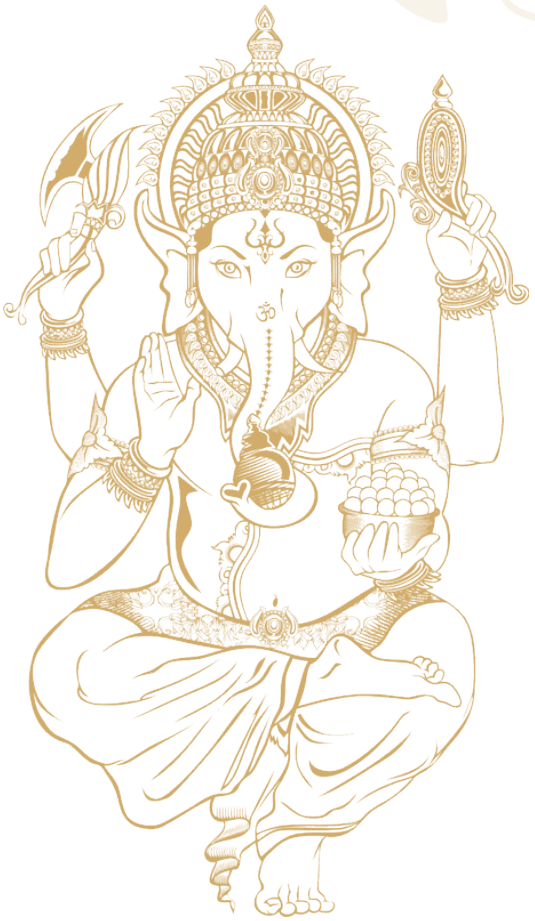

Mr. Ajit Pandey

12 Oct 1975

04:45 AM

Gaya

Model: web-freekundliweb

Order No: 120490403

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**11-12/10/1975**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**04:45:00 घंटे**
इष्ट	57:27:31 घटी
स्थान	**Gaya**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:48:00 उत्तर
रेखांश	85:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:55:00 घंटे
वेलान्तर	00:13:03 घंटे
साम्पातिक काल	06:14:40 घंटे
सूर्योदय	05:45:59 घंटे
सूर्यास्त	17:27:38 घंटे
दिनमान	11:41:39 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	24:29:35 कन्या
लग्न के अंश	09:48:29 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	अतिगण्ड
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ढा-ढालचंद
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	09:48:29	327:40:35	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	---
सूर्य			कन्या	24:29:35	00:59:21	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	सम राशि
चंद्र			धनु	23:31:17	12:38:21	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	सम राशि
मंगल			मिथु	04:58:59	00:18:10	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	सूर्य	शत्रु राशि
बुध	व	अ	कन्या	19:12:42	01:02:06	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	मूलत्रिकोण
गुरु	व		मीन	26:21:17	00:08:06	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	स्वराशि
शुक्र			सिंह	11:12:46	00:41:23	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	शत्रु राशि
शनि			कर्क	08:24:23	00:03:36	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
राहु			तुला	28:50:30	00:00:46	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	मित्र राशि
केतु			मेष	28:50:30	00:00:46	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	मंगल	मित्र राशि
हर्ष			तुला	08:22:14	00:03:41	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	---
नेप			वृश्चि	16:11:42	00:01:33	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
प्लूटो			कन्या	15:57:30	00:02:19	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	---
दशम भाव			मिथु	09:50:37	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:31:21

लग्न-चलित

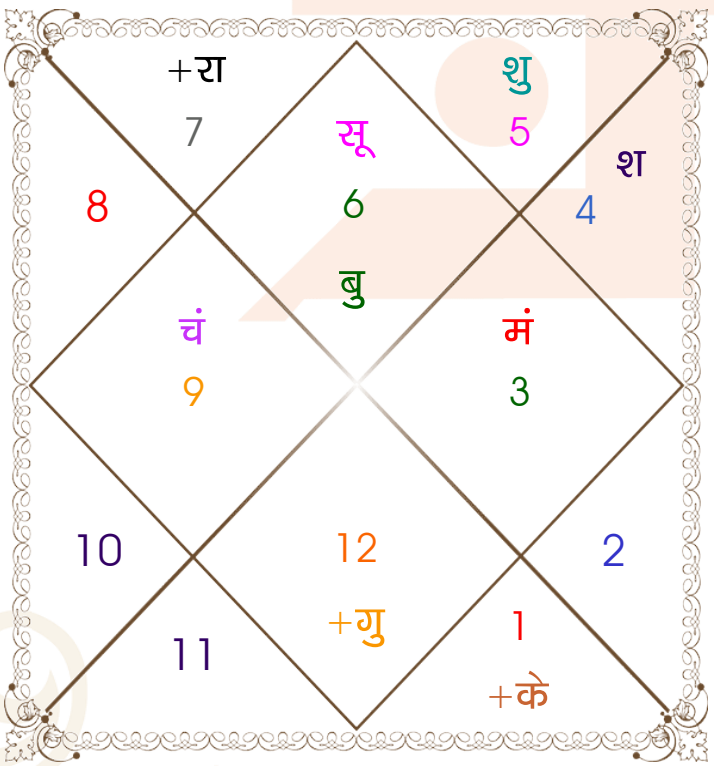

चन्द्र कुंडली

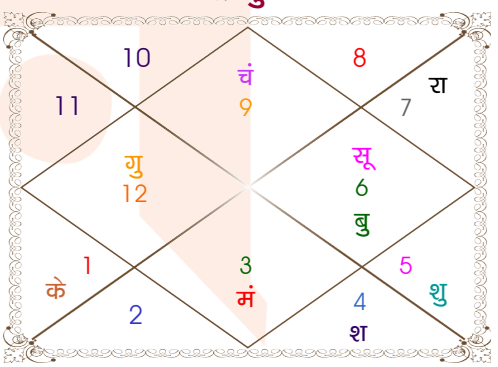

नवमांश कुंडली

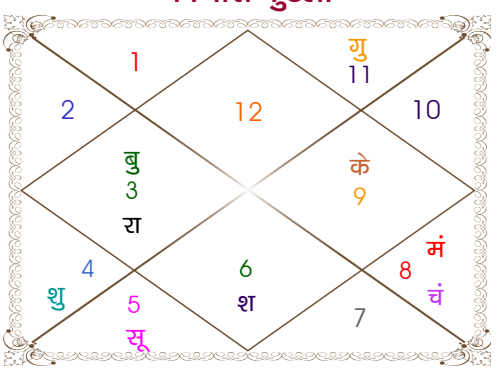

Janm yoga Darpan
Kathmandu Nepal
+977 9851044647
pathajiastro09@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 4 वर्ष 8 मास 18 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
12/10/1975		30/06/1980		30/06/1986		30/06/1996		01/07/2003	
30/06/1980		30/06/1986		30/06/1996		01/07/2003		30/06/2021	
	00/00/0000	सूर्य	18/10/1980	चंद्र	01/05/1987	मंगल	26/11/1996	राहु	13/03/2006
	00/00/0000	चंद्र	18/04/1981	मंगल	30/11/1987	राहु	15/12/1997	गुरु	05/08/2008
	00/00/0000	मंगल	24/08/1981	राहु	31/05/1989	गुरु	21/11/1998	शनि	12/06/2011
	00/00/0000	राहु	19/07/1982	गुरु	30/09/1990	शनि	30/12/1999	बुध	30/12/2013
	00/00/0000	गुरु	07/05/1983	शनि	30/04/1992	बुध	27/12/2000	केतु	17/01/2015
	12/10/1975	शनि	18/04/1984	बुध	30/09/1993	केतु	25/05/2001	शुक्र	17/01/2018
शनि	30/06/1976	बुध	22/02/1985	केतु	01/05/1994	शुक्र	25/07/2002	सूर्य	12/12/2018
बुध	01/05/1979	केतु	30/06/1985	शुक्र	30/12/1995	सूर्य	30/11/2002	चंद्र	12/06/2020
केतु	30/06/1980	शुक्र	30/06/1986	सूर्य	30/06/1996	चंद्र	01/07/2003	मंगल	30/06/2021

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
30/06/2021		30/06/2037		30/06/2056		30/06/2073		30/06/2080	
30/06/2037		30/06/2056		30/06/2073		30/06/2080		00/00/0000	
गुरु	18/08/2023	शनि	03/07/2040	बुध	27/11/2058	केतु	26/11/2073	शुक्र	30/10/2083
शनि	01/03/2026	बुध	13/03/2043	केतु	24/11/2059	शुक्र	26/01/2075	सूर्य	30/10/2084
बुध	06/06/2028	केतु	21/04/2044	शुक्र	24/09/2062	सूर्य	03/06/2075	चंद्र	30/06/2086
केतु	13/05/2029	शुक्र	22/06/2047	सूर्य	31/07/2063	चंद्र	02/01/2076	मंगल	31/08/2087
शुक्र	12/01/2032	सूर्य	03/06/2048	चंद्र	30/12/2064	मंगल	31/05/2076	राहु	30/08/2090
सूर्य	30/10/2032	चंद्र	02/01/2050	मंगल	27/12/2065	राहु	18/06/2077	गुरु	30/04/2093
चंद्र	01/03/2034	मंगल	11/02/2051	राहु	15/07/2068	गुरु	25/05/2078	शनि	12/10/2095
मंगल	05/02/2035	राहु	18/12/2053	गुरु	21/10/2070	शनि	04/07/2079		00/00/0000
राहु	30/06/2037	गुरु	30/06/2056	शनि	30/06/2073	बुध	30/06/2080		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 4 वर्ष 9 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के चत्तुर्थ चरण में कन्या राशि के लग्नोदय काल हुआ था। ज्योतिषीय स्वरूप से आपके जन्मलग्न के समय मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस समन्वित ज्योतिषीय प्रभाव से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आप मात्र धन सम्पति प्राप्त करने के लिए अभिलाषी नहीं है। बल्कि आपकी अभिरूचि धार्मिक भी है। इस अध्यात्मिक झुकाव के परिणाम स्वरूप आप अनेक तीर्थ स्थानों का परिदर्शन करेंगे।

आप निश्चित रूप से कठिन श्रम के प्रति समर्पित प्राणी हैं। फलस्वरूप आप धनी सुखी और सम्पत्तिवान प्राणी होंगे। इस समर्पण की भावना से आप बहुत कुछ कर गुजारने हेतु प्रस्तुत है। जैसे जो आपको आवश्यकता पड़ने पर आपकी मदद किया है आप उनको भी अपने मिथ्याचारी भावना से धोखा दे सकते हैं।

आप प्रेरित होकर सही दिशा में चलते रहेंगे। ग्रह के योग यह प्रदर्शित करते हैं कि आप को अपने जीवन के उत्थान पतन का अच्छा अनुभव प्राप्त होगा। लेकिन आप पूर्व समय की अकर्मण्यता को त्याग कर अपने समय का सदुपयोग सामान्य ज्ञान के आधार पर आपने स्पन्दित आदतों को त्याग सकते हैं। आप अपनी योजना एवं कार्यकलाप के सम्बन्ध में सावधानी पूर्वक कार्यारम्भ के पूर्व निर्णय लेकर पुनः कार्यारम्भ करे तो श्रेयष्कर होगा। दूसरी बात यह है कि आप कन्या राशीय स्वभाव के अनुसार कार्य प्रारम्भ करते समय ही निर्णय लेते है और कार्य के पीछे पड़ जाते है। आपके उद्देश्य के अनुसार प्रथम रीति के अनुसार ही कार्य करना उत्तम विद्य ा है।

आप बुद्धिमान स्तर के प्राणी है। अतएव आप दूसरों की गलती को उजागर करते हैं। यह बिन्दु दूसरों के लिए क्रोध उत्पन्न कराने वाला कष्टप्रद होता है। आप अपने मित्रों के साथ भी सौदेबाजी करते हैं। इस परिस्थिति में कुछ लोग आपके शत्रु होकर आपकी व्यवस्था को अस्त व्यस्त कर आपके विरुद्ध न्यायालय में भी कोई बयान दे सकते हैं। आप इस प्रकार की आकस्मिक आपदा में धैर्य धारण करने की शिक्षा ग्रहण करें।

इस प्रकार अपनी प्रवृति में बदलाव लाना आपके लिए कठिन साध्य है। आपके लिए अच्छा कार्य व्यवसायों में औडिट, परीक्षक, अथवा आय से सम्बन्धित ऑफिस कार्य करना उपयुक्त है। आप उत्तम व्यवसाय हेतु लेखा निरीक्षक का कार्य कर सकते हैं क्योंकि आप में वाणिज्य-व्यवसाय करने की प्रतिभा है।

यदा-कदा आप अपने धन का निवेश व्यावसायिकी सट्टेबाजी या शेयर प्राप्ति में व्यय कर सकते हैं। आपके लिए धीरे-धीरे चलना उत्तम है बल्कि आपके के द्वारा किया गया धन निवेश की वापसी यदा कदा बहुतायत अंश में होगा।

आप अपने घर परिवार के लिए बहुत भाग्यशाली हैं। आप की प्यारी पत्नी भगवान की देन प्रमाणित होगी। उनके द्वारा आपको अच्छी सन्तान की प्राप्ति होगी जों अपने जीवन में

अच्छी तरह सुव्यवस्थित हो जाएंगे। इसलिए आप अपनी वासनात्मक प्रवृति के प्रति बदलाव लाना अच्छा होगा। ताकि आप अन्य के साथ शारीरिक सम्बंध स्थापित न करे। अन्यथा आप इस प्रकार कामुक प्राणियों में विख्यात हो जाएंगे।

आप निःसंदेह दीर्धायु होकर बहुत दिनों तक उत्तम स्वास्थ्य का आनन्द प्राप्त करेंगे। परन्तु आप अधिक कामुक हो जाने पर रोग के प्रभाव से आपका शारीरिक ह्रास हो जाएगा तथा आप पीठ की हड्डियों के कष्ट तथा रक्तचाप के रोग से अक्रान्त हो सकते हैं। यदि आप प्रारम्भिक अवस्था से उत्तम अंगीकृत करें। अपने आहार व्यवहार को नियंत्रित रखें तो शाकाहार ग्रहण करें एवं मद्यपाण का त्याग कर दें तो आपका स्वास्थ्य उत्तम तथा बहुत अच्छा रहेंगा।

आपका भाग्यशाली अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है तथा आपके लिए उत्तम है।

आपके जीवन में रंग प्रदर्शन का बड़ा भाड़ी महत्त्व है। आपके लिए उत्तम रंग सफेद, सुआपंखी, पीला एवं हरा रंग अनुकूल एवं फलदायी है। आपको रंग लाल, नीला एवं काले रंग का परित्याग कर देना चाहिए क्योंकि ये रंग आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।